



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 307]
No. 307]

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 6, 1984/श्रावण 15, 1906
NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 6, 1984/SRAVANA 15, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 1984

सां० का० नि० 590(अ) :—नव मंगलौर पत्तन (पेट्रोलियम) नियम, 1979 का संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का प्रावधान भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 की धारा 6 की उपधारा (2) की अपेक्षानुसार, भारत सरकार के नौवहन और परिवहन मंत्रालय (पत्तन खंड) की अधिसूचना सं. 11 (अ) दिनांक 6 जनवरी, 1984 के अधीन, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2 खंड 3 उपखंड (i) दिनांक 6 जनवरी, 1984 को पृष्ठ 2 में ऊपर प्रकाशित किया गया था, जिसमें राजपत्र में उक्त अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 60 दिन की अवधि की समाप्ति तक उन सभी व्यक्तियों से आक्षेप और मुझाव मांगे गए थे, जिनके उसमें प्रभावित होने की संभावना थी। और उक्त 6 जनवरी,

1984 को जनता को उपलब्ध करा दिया गया था, और जनता से कोई आक्षेप या मुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं।

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम नव मंगलौर पत्तन (पेट्रोलियम) (संशोधन) नियम, 1984 है।

(2) ये राजपत्र में इसके अंतिम प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगी।

2. नव मंगलौर पत्तन (पेट्रोलियम) नियम 1979 में,—

(क) नियम 4, में—

(1) उप-नियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उप-नियम रखे जाएंगे, अर्थात् :—

“2 कोई तेल टैंकर पेट्रोलियम वर्ग क खाली करने के पश्चात् तेल जैटी से भिन्न किसी घाट पर तब तक लंगर नहीं डालेगा जब तक कि विस्फोट नियंत्रक या उप-नियंत्रक का इस

आवश्यक प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं कर दिया जाता कि उसने सभी टैंकों, काफर-डामों, पम्प कक्षों, पाइप लाइनों और तेल टैंकर के ऐसे अन्य भागों की, जिन्हें आवश्यक समझा जाए परीक्षा अस्वीकृत वाष्प परीक्षण उपस्कर की सहायता से कर ली है और टैंकर खतरनाक पेट्रोल वाष्पों से मुक्त है,"

(ii) उप नियम (3) में—

(1) खंड (1) में "दोनों प्रमाणपत्रों की प्रतियाँ" शब्दों के स्थान पर "प्रमाणपत्र की एक प्रति" शब्द रखे जाएंगे,

(2) खंड (2) में "इन दोनों प्रमाणपत्रों की मूल प्रतियों" शब्दों के स्थान पर "उक्त प्रमाणपत्र की मूल प्रति" शब्द रखे जाएंगे,

(3) खंड (3) में "एक नया गैस मुद्रिक का प्रमाणपत्र" शब्दों के स्थान पर "उपनियम (2) के अधीन एक नया प्रमाणपत्र" शब्द रखे जाएंगे,

(iii) उप-नियम (5) के स्थान पर निम्नलिखित उप-नियम रख जाएंगे, अर्थात्:—

"(5) किसी तेल टैंकर को तेल जेटी की आबंटन या किसी तेल टैंकर के स्थानान्तरण का विनिश्चय उप संरक्षक द्वारा किया जाएगा और उसके इस विनिश्चय के विरुद्ध कोई अपील पतन संरक्षण के पास की जाएगी"।

(iv) उपनियम (7) में,—

खंड (1), (2), (3), (4) और (5) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखे जाएंगे, अर्थात्:—

(1) किसी तेल टैंकर का स्वामी या अधिकारी, जो पतन की सीमाओं के भीतर जलयान की मरम्मत करना चाहता है, उप-नियम (2) के अधीन विस्फोटक नियंत्रक या विस्फोटक उप-नियंत्रक से प्रमाणपत्र प्राप्त करेगा।

(2) इस प्रमाणपत्र की मूल प्रति मास्टर या किसी अन्य जिम्मेदार अधिकारी के कब्जे में फलक पर रखी जाएगी और हर समय निरीक्षण के लिए उपलब्ध रहेगी।

(3) उक्त प्रमाणपत्र एक प्रति उप-संरक्षक को भेजी जाएगी जो अपना यह समाधान हो जाने पर कि पोत के फलक पर मरम्मत करना निरापद है, आवश्यक अनुज्ञा दे सकेगा।

(4) पूर्वोक्त प्रमाणपत्र की एक प्रति मरम्मत का कार्य प्रारंभ करने से पूर्व पोत मरम्मत कर्ता को भी दी जाएगी।

(5) पोत की मरम्मत करने वाली फर्म किसी तेल टैंकर के फलक पर तब तक कोई मरम्मत नहीं करेगी जब तक वे उपरोक्त प्रमाणपत्र की प्रति प्राप्त नहीं कर ले। और एसी मरम्मत करते समय भारत सरकार द्वारा विहित की गई आचार संहिता का पालन करेगी।"

(2) खंड (1) में, "एक नया गैस मुद्रिक का प्रमाणपत्र" शब्दों के स्थान पर "उप-नियम (2) के अधीन एक नया प्रमाणपत्र" शब्द रखे जाएंगे।

(ख) नियम 5 में—

(1) उपनियम (61) में "जिम्मेदार प्राधिकारी" शब्दों के स्थान पर "प्रमाणित नौवहन अधिकारी" शब्द रखे जाएंगे।

(2) उप नियम (8) में खंड (1) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात्:—

"(1) यदि पेट्रोलियम का उतारना या लादना प्रारंभ कर दिया जाता है तो ऐसे उतारने या लादने का कार्य तेल जेटी, लंगर और जेटी पर के अन्य उपस्करों (जिसके अन्तर्गत टैंकर और तेल जेटी में फलक पर कार्यरत कामिक भी आते हैं), की सुरक्षा को ध्यान में रखकर अत्यधिक पूर्वावधानी के साथ किया जाएगा"।

[संख्या पो० डब्ल्यू/पो० जी० एल० 38/80],

पी. वी. राव,

संयुक्त सचिव, भारत सरकार

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th August, 1984.

G.S.R. 590(E).—Whereas the draft of certain rules to amend the port of New Mangalore (Petroleum) Rules, 1979 was published as required by sub-section (2) of section 6 of the Indian Ports Act, 1908, at pages 2 to 3 of the Gazette of India, Extraordinary, Part II - section 3 sub-section (i) dated the 6th January, 1984 under the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Ports Wing) No. G.S.R. 11(E) dated the 6th January, 1984, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the expiry of a period of 60 days from the date of publication of the notification in the Official Gazette.

And whereas the said Gazette was made available to the public on 6th January, 1984;

And whereas no objection or suggestion was received from the public;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1.(1) These rules may be called the Port of New Mangalore (Petroleum) (Amendment) Rules, 1984.

(2) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.

2. In the Port of New Mangalore (Petroleum) Rules, 1979,

(a) in rule 4,—

- (i) for sub-rule (2), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(2) No oil tanker shall berth at any of the wharves other than the oil jetty after having discharged petroleum Class A until a certificate is produced from the Controller of Explosives or the Deputy Controller of Explosives to the effect that he has examined all the tanks, coffer-dams, pumprooms, pipelines and such other parts of the oil tanker as deemed necessary with the aid of an approved vapour testing equipment and the while tanker is free from dangerous petrol vapours.”;

- (ii) in sub-rule (3),—(1) in clause (i), for the words “Copies of both the Certificate”, the words “A copy of the Certificate” shall be substituted;

- (2) in clause (ii), for the words “Originals of both these Certificates”, the words “Original of the said certificate” shall be substituted;

- (3) in clause (iii), for the words “a fresh gas-free certificate”, the words “a fresh certificate under sub-rule (2)” shall be substituted;

- (iii) for sub-rule (5), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(5) Allotment of the oil jetty to, or shifting of, any oil tanker shall be decided by the Deputy Conservator and an appeal against the decision shall lie to the Conservator of the Port.”

- (iv) in sub-rule (7),—

for clauses (i), (ii), (iii), (iv) & (v), the following clauses shall be substituted, namely :—

- (i) The owner or agent of any oil tanker who desires to carry out repairs to the vessel within the port limits shall obtain a certificate under sub-rule (2) from the Controller of Explosives or Deputy Controller of Explosives.

- (ii) The original of this certificate shall be kept in board in possession of the Master or other responsible person and shall be available for inspection at all times.

- (iii) A copy of the said certificate shall be sent to the Deputy Conservator, who, on being satisfied that the ship is safe to carry out repairs, may grant the permission.

- (iv) A copy of the aforesaid certificate shall also be handed over to the ship repairer prior to the commencement of the repairs.

- (v) Ship repairing firms shall not carry out any repairs on an oil tanker until they have obtained the copy of the above certificate and when undertaking repairs shall comply with the conditions of the Code of Practice as prescribed by the Government of India.

- (2) in clause (vi), for the words “a fresh gas-free certificate”, the words “a fresh certificate under sub-rule (2)” shall be substituted;

(b) in rule 5,—

- (i) in sub-rule (6), for the words “responsible officer”, the words “navigating officer” shall be substituted;

- (ii) in sub-rule (8), for the words “following clause” the words “following clause” shall be substituted, namely :—

“(i) When discharging or loading petroleum has been commenced, the charging or loading shall be carried out with utmost caution and care, and the safety of the jetty, moorings and other structures shall be maintained. The personnel working on board the vessel and the oil jetty.”

[No. PW

Joint Secretary to the Government

